फर्जी डिग्री और खेल प्रमाण पत्र जारी करने के मामले में दो वि.वि. के मालिक सहित तीन गिरफ्तार

ओ.पी.जे.एस. यूनिवर्सिटी के संचालक जोगेन्द्र सिंह की गर्लफ्रेंड सरिता कड़वासरा को भी रोहतक से गिरफ्तार किया है

जयपुर। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने फर्जी डिग्री और खेल प्रमाण पत्र जारी करने के मामले में शुक्रवार को ओपीजेएस विश्वविद्यालय, सनराईज विश्वविद्यालय अलवर, एमके विश्वविद्यालय पाटन गुजरात के मालिकों को गिरफ्तार किया है। साथ ही एक आरोपी की गर्लफ्रेंड को भी रोहतक से हिरासत में लिया है। पूछताछ में सामने आया है कि इन संचालकों ने सभी रिकॉर्ड जला दिए हैं। फिलहाल एसओजी की टीम गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ करने के साथ मामले में जुड़े अन्य लोगों को पकड़ने के लिए दबिश दे रही है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एटीएस एवं एसओजी वी के सिंह ने बताया कि फर्जी डिग्री जारी करने वाली ओपीजेएस यूनिवर्सिटी के संचालक जोगेन्द्र सिंह (55) पुत्र ओमप्रकाश दलाल निवासी रोहतक हरियाणा और सनराइज एंड एमके यूनिवर्सिटी के संचालक जितेन्द्र यादव (38) पुत्र जिले सिंह निवासी नारनौल, हरियाणा को गिरफ्तार किया गया है। साथ ही ओपीजेएस यूनिवर्सिटी के संचालक जोगेन्द्र सिंह की गर्लफ्रेंड सरिता कड़वासरा (50) पुत्री धर्मवीर सिंह को भी रोहतक से गिरफ्तार किया है।

दोनों आरोपियों को एसओजी की ओर से जांच के दौरान चूरू के राजगढ़ में स्थित ओपीजेएस यूनिवर्सिटी बुलाया गया था। जांच के बाद फर्जीवाड़े का पता चलने पर आरोपियों को पूछताछ के लिए जयपुर लाया गया। पूछताछ पूरी होने पर शुक्रवार सुबह दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया।

परिस देशमुख ने बताया कि एसओजी को चूरू के राजगढ़ स्थित ओपीजेएस यूनिवर्सिटी के खिलाफ फर्जी डिग्री जारी करने की काफी शिकायतें मिली थी। जांच में सामने आया है कि साल 2013 में ओपीजेएस यूनिवर्सिटी शुरू हुई थी। सरिता कड़वासरा साल 2013 से 2015 तक इस यूनिवर्सिटी की रजिस्ट्रार के पद पर रही है।

इसके बाद 2017 से 2020 तक वह चेयरपर्सन रही थी। डीआईजी ने बताया कि 2015 से 2020 तक जितेंद्र यादव सनराइज एंड एमके यूनिवर्सिटी का संचालक बनने से पहले ओपीजेएस विश्वविद्यालय में रजिस्ट्रार के पद पर रहा। इस दौरान विश्वविद्यालय की ओर से हजारों की संख्या में फर्जी डिग्री जारी की गई।

देशमुख ने बताया कि साल-2020 में आरोपी जितेंद्र यादव ने ओपीजेएस यूनिवर्सिटी की पार्टनरशिप छोड़ दी। उसके बाद उसने अलवर में खुद की सनराइज यूनिवर्सिटी खोल ली। कुछ समय बाद ही एमके यूनिवर्सिटी गुजरात के पाटन में खोली। इसके बाद बूंदी में एक नई जीत यूनिवर्सिटी खोलने की तैयारी चल रही थी। मान्यता अभी सरकार से नहीं मिली थी। वहीं, आरोपी जोगेन्द्र सिंह शाहबाद (बारां) में वैदिक विश्वविद्यालय खोलने की तैयारी में था। इसका कैम्पस बनकर तैयार हो गया है।

पुलिस ने जब इनसे पूछताछ की तो उन्होंने बताया कि 2015 से 2020 की डिग्री का रिकॉर्ड जलने के कारण खत्म हो गया है। जांच में सामने आया है कि दलालों के जरिए फर्जी डिग्री बांटने का खेल चल रहा था। बिना मान्यता के भी यूनिवर्सिटी की ओर से फर्जी सर्टिफिकेट और डिग्री जारी की गई।

परिस देशमुख ने बताया कि जांच में सामने आया है कि आरोपी यूनिवर्सिटी संचालकों की ओर से एडिमशन में भी फर्जीवाड़े किए। बेक डेट में एडमिशन दिए गए हैं। दलालों के साथ मिलकर फर्जी खेल प्रमाण-पत्र जारी करने का बिजनेस किया गया। गलत तरीके से गेम खिलाकर फर्जी खेल प्रमाण-पत्र देकर एडमिशन दिए गए। इन्होंने अपनी जालसाजी छिपाने के लिए 2016 से 2020 तक का रिकॉर्ड जला दिया है।

उन्होंने बताया कि यूनिवर्सिटी में टीचर्स के बारे में रिकॉर्ड देखने पर भी फर्जीवाड़ा सामने आया। विश्वविद्यालय में 27-28 लोगों का सैलेरी अकांउट है। इनमें से 8-10 नॉन टीचर स्टाफ हैं। यहां चलने वाले कोर्स की संख्या 18 है। इन्हें करवाने के लिए यूनिवर्सिटी के पास 27-28 लोग ही हैं। ये भी बड़ा फजीवाड़ा है। यूनिवर्सिटी का काम सिर्फ फर्जी डिग्री बांटने का था। आरोपी जोगेन्द्र सिंह के खिलाफ पूर्व में दो केस दर्ज हैं। इसमें गिरफ्तार भी हो चुका है।

देशमुख ने बताया कि राजस्थान के विभिन्न डिपार्टमेंट में फर्जी डिग्री दिखाकर लोग जॉब कर रहे हैं। शिक्षा विभाग को इस संबंध में अवगत करवाया गया है। विभाग की ओर से दोबारा वेरिफिकेशन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जांच में सामने आया है कि विश्वविद्यालय की ओर से सबसे ज्यादा फर्जी डिग्री नॉर्थ इंडिया में बांटी गई है।

यूनिवर्सिटी की ओर से सौदा तय होने पर एडमिशन दिखाकर फर्जी डिग्री बांटी गई। फर्जी डिग्री देने के दौरान स्टूडेंट्स से 50-60 प्रतिशत ज्यादा रकम की डिमांड की जाती थी। स्टूडेंट्स सौदे की रकम देने की जिद करते थे, तो उन्हें डिग्री दे दी जाती थी, लेकिन सरकारी जॉब के लिए विभाग की ओर से जब डिग्री का वेरिफिकेशन किया जाता था तो विभाग को मना कर दिया जाता था। परेशान होकर स्टूडेंट यूनिवर्सिटी से दोबारा कॉन्टैक्ट करते थे और इसके बाद यूनिवर्सिटी उनसे ज्यादा पैसा वसूलती थी। रुपए देने पर दोबारा विभाग को विश्वविद्यालय की तरफ से गलती से रिपोर्ट भेजने का जबाव देकर वेरिफिकेशन करवा दिया जाता था।

स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने फर्जी डिग्री और खेल प्रमाण पत्र जारी करने के मामले में शुक्रवार को ओ.पी.जे.एस. विश्वविद्यालय, सनराईज विश्वविद्यालय अलवर, एमके विश्वविद्यालय पाटन गुजरात के मालिकों को गिरफ्तार किया है।

- ओ.पी.जे.एस. यूनिवर्सिटी के संचालक जोगेन्द्र सिंह और सनराइज एंड एम.के. यूनिवर्सिटी के संचालक जितेन्द्र यादव को गिरफ्तार किया।
- पूछताछ में सामने आया है कि इन संचालकों ने सभी रिकॉर्ड जला दिए हैं।
- जांच में सामने आया है कि दलालों के जरिए फर्जी डिग्री बांटने का खेल चल रहा था। बिना मान्यता के भी यूनिवर्सिटी की ओर से फर्जी सर्टिफिकेट और डिग्री जारी की गई।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने आंध्र प्रदेश के राज्यपाल एस अब्दुल नजीर से मुलाकात की। शुक्रवार को नजीर के अजमेर पहुंचने पर देवनानी ने सर्किट हाउस में उनका पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया। देवनानी की नजीर से यह शिष्टाचार भेंट थी।

मोहन लाल लाठर मुख्य सूचना आयुक्त बने

जयपुर, (का.सं.)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने राज्य के मुख्य सूचना आयुक्त के रूप में मोहन लाल लाठर को नियुक्ति प्रदान की है। राज्यपाल ने इसके साथ ही सुरेश चंद गुप्ता, महेंद्र कुमार पारख और टीकाराम शर्मा को सूचना आयुक्त के रूप में नियुक्ति प्रदान करने के आदेश जारी किए हैं। राज्यपाल मिश्र ने राज्य के मुख्य सूचना आयुक्त और आयुक्त पदों के अंतर्गत इनकी नियुक्ति पदभार ग्रहण करने से 3 वर्ष की अवधि अथवा 65 वर्ष की आयु, जो भी पहले हो के लिए की है।

पोस्टर का विमोचन

जयपुर। मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान के अंतर्गत 8 अगस्त को आयोजित होने वाले अमृत पर्यावरण महोत्सव के जन जागरण पोस्टर का विमोचन मुख्यमंत्री कार्यालय में पोस्टर का विमोचन मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने किया।

चोरी के सात वाहनों के साथ दो बदमाश पकड़े

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । पुलिस कमिश्नरेट की स्पेशल टीम ने श्याम नगर थाना इलाके में कार्रवाई करते हुए दुपहिया वाहन चुराने वाले दो शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है और साथ ही उनके पास से चोरी के सात दुपहिया वाहन बरामद किए है। वही एक शातिर वाहन चोर मौके से फरार हो गया। जिसकी पुलिस संभावित ठिकानों पर दबिश मार तलाश कर रही है। साथ ही गिरफ्तार वाहन चोरों से पूछताछ करने में जुटी है। पुलिस उपायुक्त अपराध दिग्गंत आनंद ने बताया कि सीएसटी ने शामिल इलाके में कार्रवाई करते हुए दुपहिया वाहन चुराने वाले शिव चौधरी और सोनू बंजारा को गिरफ्तार किया है । दोनों ही आरोपी करणी विहार जयपुर के रहने वाले हैं। जिनके पास से चुराए गए सात दुपहिया वाहन जब्त किया है। गिरफ्तार आरोपियों का एक साथी विष्णु मीणा फिलहाल फरार चल रहा है जिसकी तलाश की जा रही है। गिरफ्तार आरोपी शिव सिंह चौधरी करणी बिहार थाना इलाके का हिस्ट्रीशीटर है।

नगरीय विकास कर समिति की बैठक आयोजित

जयपुर । नगर निगम ग्रेटर, जयपुर की नगरीय विकास कर समिति की बैठक शुक्रवार को पन्नाधाय सभा कक्ष में आयोजित की गई। बैठक में नगर निगम ग्रेटर, जयपुर द्वारा नगरीय विकास कर के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। नगरीय विकास कर समिति के चैयरमेन विकास बारेठ की अध्यक्षता में हुई बैठक में समिति के सदस्यों में मोहित कचौलिया, छोटू राम मीणा, नवीन खटीक, छोटा देवी, मोतीलाल मीणा, संजय सिंह, जनार्दन शर्मा उपायुक्त राजस्व (प्रथम), सरिता चौधरी, सचिव, नगरीय विकास कर समिति, अरविन्द सैनी राजस्व अधिकारी, नगरीय विकास कर, राकेश शर्मा, राजस्व निरीक्षक इत्यादि सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

डॉ. किरोड़ी को मनाने के प्रयास होंगे!

डॉक्टर किरोड़ी लाल मीणा के समर्थन में आए कई मंत्री

जयपुर। कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री डॉ किरोड़ीलाल मीणा के इस्तीफे को लेकर भाजपा में सियासी हलचल मची हुई है। पूर्व मंत्री और दौसा लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी कन्हैयालाल ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से डॉ मीणा का इस्तीफा स्वीकार नहीं करने की मांग की है। वहीं राज्य सरकार के मंत्री भी किरोड़ी की मुख्यमंत्री तथा संगठन से नाराजगी नहीं होने का हवाला देकर उनके राज्य और जनहित में काम करने की बात कही है। वहीं डॉ मीणा ने नई दिल्ली में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकत की। राज्य के कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री डॉ किरोड़ी लाल मीणा के मंत्रिमंडल से इस्तीफे के बाद भाजपा और राज्य सरकार में उथल पुथल मची हुई है। इस्तीफे के बाद होने वाले डेमेज को लेकर भी संगठन और सत्ता दोनों ही विचार विमर्श कर रहे हैं, यही कारण है कि डेमेज कंट्रोल को लेकर कवायद भी शुरू हो चुकी है। डॉ किरोडी लाल को समझाने के प्रयास शुरू किए जा रहे हैं। इनमें सबसे पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने मंत्री किरोड़ीलाल मीणा को मिलने दिल्ली बुलाया। मीणा ने दिल्ली में नड्डा के आवास पर पहुंचकर उनसे मुलाकात की। हालांकि दोनों के बीच हुई बातचीत की जानकारी नहीं मिल पाई है।

वहीं दौसा से भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ने वाले कन्हैयालाल मीणा ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर डॉ मीणा का इस्तीफा नहीं स्वीकार करने का आग्रह किया है। मीणा ने मुख्यमंत्री से कहा कि डॉ मीणा राजस्थान में जनसंघर्ष के प्रतीक हैं, उनका पूरा जीवन गरीब मजदूर, दलित आदिवासी पिछड़ा युवा सहित सर्व समाज के प्रत्येक पीडित की समस्या निवरण के लिए संघर्ष किया। डॉ मीणा के नेतृत्व में सम्पूर्ण सामर्थ्य से कार्यकर्ताओं ने काम किया। कांग्रेस के संविधान खतरे तथा आरक्षण खत्म होने की भ्रामक प्रचार से हार का सामना करना पड़ा। डॉ मीणा का मंत्री पद से इस्तीफा देना उनकी भावुकता और वचनबद्धता को दर्शाती है। लेकिन ऐसे संघर्षशील व्यक्ति का मंत्री पद पर बने रहना आवश्यक है। कार्यकर्ताओं और जनता के साथ मीणा ने डॉ किरोड़ी का इस्तीफा अस्वीकार करने की मांग की है।दूसरी ओर डॉक्टर मीणा का इस्तीफा स्वीकार नहीं करने के समर्थन में कई मंत्री भी उतरे। संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि डॉ मीणा की न मुख्यमंत्री और न ही संगठन से कोई नाराजगी है। मीणा सरकार और संगठन के साथ हैं, सब मिलकर राज्य और जनहित में काम करेंगे।

वन मंत्री संजय शर्मा ने कहा कि डा किरोडीलाल वरिष्ठ नेता हैं संघर्ष के प्रतीक हैं। अभी इस्तीफा दिया या नहीं यह पता नहीं है। लेकिन वो सरकार और संगठन हित में काम करते रहेंगे। जनहित में के मुद्दों को लेकर काम करते रहेंगे। गृहराज्य मंत्री जवाहर बेढम ने कहा कि मीडिया की खबरें पढ़ी है ऑथेंटिक नहीं है। डॉ मीणा वरिष्ठ नेता हैं, उनका बयान था मुख्यमंत्री सीएम और संगठन से दुराभाव से नहीं हैं।

प्रदेश में गौड ब्राह्मण महासभा 5 लाख पेड़ लगाएगी

जयपुर । गौड ब्राह्मण महासभा राजस्थान के युवा प्रदेश अध्यक्ष पंकज पचलंगिया एडवोकेट ने बताया कि गौड ब्राह्मण महासभा राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष विजय हरितवाल के द्वारा संपूर्ण राजस्थान में गौड ब्राह्मण महासभा राजस्थान के तत्वाधान में राजस्थान प्रदेश मे 5 लाख वृक्ष लगाने का संकल्प के तहत अभियान की शुरुआत विद्याधर नगर स्थित गौड़ ब्राह्मण महासभा समाज उपयोगी भवन सेक्टर 4 जयपुर में वृक्षारोपण कर की गई।

गौड ब्राह्मण महासभा राजस्थान संपूर्ण राजस्थान में जुलाई माह में 5 लाख से अधिक वृक्ष लगाकर वृक्षारोपण करेंगे।

इस उपलक्ष में गौड ब्राह्मण महासभा राजस्थान के युवा प्रदेश अध्यक्ष पंकज पचलंगिया एडवोकेट प्रमुख महामंत्री रामस्वरूप जोशी कार्यालय मंत्री राम मोहन शर्मा हेमचंद शर्मा मुकेश उपाध्याय निलेश तनिष्क रवि शंकर शर्मा कृष्णकांत शर्मा वैध हरिराम शर्मा आदि ने सहयोग दिया।

'प्रदेश भर में एक ही दिन में लगाए एक लाख पौधे'

जयपुर। प्रदेश में जल संरक्षण और हरियाली क्षेत्र को बढ़ाने के उद्देश्य से जलदाय मंत्री कन्हैया लाल के निर्देशन में जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग ने अभिनव पहल करते हुए प्रदेश में एक लाख पौधे लगाने का अभियान शुरू किया। मंत्री ने जल भवन में पौधारोपण कर इस अभियान की शुरुआत की और जल भवन में 500 पौधे लगाए गए।

अभियान के शुभारंभ पर जलदाय मंत्री ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए पेड़ों को बचाना जरूरी है। जहां पेड़ बचाए जाते हैं वहां प्रकृति सुरक्षित हो जाती है। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत हमने प्रदेश भर में जलदाय विभाग के सभी कार्यालयों, संस्थाओं, पंप हाउसों में एक ही दिन में एक लाख पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है।

उन्होंने कहा कि अत्यधिक जल दोहन, जल की बढ़ती मांग और भूजल के कम रिचार्ज होने के कारण राजस्थान के कई क्षेत्र डार्क जोन में सम्मिलित हो गए हैं।

प्रदेश में जल संरक्षण और हरियाली क्षेत्र को बढ़ाने के उद्देश्य से जलदाय मंत्री कन्हैया लाल ने जल भवन में पौधारोपण कर एक लाख पेड़ लगाने की शुरुआत की और जल भवन में 500 पौधे लगाए गए।

एन.आई.सी. द्वारा तैयार 'ई-साक्ष्य' एप लॉन्च

जयपुर । देश में गत एक जुलाई से लागू नए आपराधिक कानूनों के तहत डिजिटल साक्ष्यों को एप के माध्यम से संकलित कर उन्हें क्लाउड पर स्टोरेज करने के लिए राजस्थान पुलिस द्वारा नई शुरुआत की गई है। राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) के द्वारा ई-साक्ष्य एप तैयार किया है, जिसे शुक्रवार को पूरे प्रदेश के लिए लॉंच कर दिया गया है। यह जानकारी देते हुए पुलिस महानिदेशक, साइबर अपराध एवं एससीआरबी हेमंत प्रियदर्शी ने बताया कि नए क्रिमिनल लॉज के तहत भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) में किसी भी अपराध से संबंधित एवीडेंस को डिजिटल रूप में संकलित एवं सुरक्षित करने का प्रावधान किया गया है।

आठ हजार रु.का इनामी बदमाश पुलिस के हत्थे चढ़ा

जयपुर । मुहाना थाना पुलिस ने नकबजनी, पशु चोरी, लूट, डकैती, मोबाइल चोरी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के ऊपर आठ हजार रुपए का इनाम घोषित था।थानाप्रभारी मदन कड़वासरा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी दीपू नरैना जयपुर का रहने वाला है।

पुलिस ने मुखबिरों से जानकारी जुटाई तो सामने आया कि चाकसू, फुलेरा के बदमाश यह वारदात को अंजाम दे रहे है। जो आपस में रिश्तेदार है। पुलिस ने इस मामले में सोनू, मुकेश, दयाराम मीणा और राहुल को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था।

आग के धुएं में दम घुटने से युवक की दर्दनाक मौत

झोटवाड़ा इलाके में निवारू रोड स्थित बाहुबली नगर का मामला

जयपुर (कासं)। झोटवाड़ा थाना इलाके में मकान में अचानक आग लग गई। आग लगने से मकान में धुंआ भर गया। धुएं से दम घुटने से युवक की मौत हो गई। धुआं भरने से धमाके के साथ मकान का दरवाजा टूट गया। इस पर लोगों को घटना का पता चला। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर दमकल मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। आग का प्राथमिक कारण शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है।

पुलिस ने बताया कि हादसे में बाहुबली नगर निवारू रोड निवासी मुकेश (33) की मौत हो गई। युवक अपने पिता रविंद्र (65) और भाई पवन (35) के साथ रहता था। गुरुवार शाम को पिता और भाई काम से सालासर गए थे। घर पर वह अकेला था। रात करीब 2:30 बजे मुकेश ने भाई पवन को कॉल कर डिग्गी कल्याण जी जाने को कहा था। देर रात मुकेश ऊपर रसोई में रखा गैस सिलेंडर नीचे कमरे में उतारकर लाया था। रात करीब 3:30 बजे घर में शॉर्ट सर्किट होने से आग लग गई। आग से घर में रखा सामान जलने लगा। घर में धुआं भर गया। बचने की कोशिश में मुकेश के हाथ झुलस गए। फिर दम घुटने से बेहोश होकर मुकेश जमीन पर गिर गया। हर तरफ से बंद घर में धुआं भरने से दबाव बन गया। इससे धमाके के साथ गेट टूट गया। धमाके की आवाज सुनकर पड़ोसियों में दहशत फैल गई। घरों से बाहर निकलने पर पड़ोसियों को आग लगने का पता चला। लोगों की सूचना पर पुलिस और फायर बिग्रेड की एक गाड़ी मौके पर पहुंची। घर के अंदर जमीन पर बेहोशी मिले मुकेश को कांवटिया हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने बताया कि पुलिस जांच में शॉर्ट सर्किट से आग लगना सामने आया है।

मुकेश के किचन में रखे सिलेंडर को नीचे कमरे में लाने के पीछे का कारण पता नहीं चल सका है।

कयास लगाए जा रहे हैं कि मुकेश ने घर में खुद आग लगाई है। परिजनों से पूछताछ में सामने आया है कि मुकेश मानसिक रूप से बीमार है। पिछले 15 साल से दवाइयां चल रही है। 4 जून को उसकी मां की मौत होने के बाद वह डिप्रेशन में था। मां ही उसका ध्यान रखती थी।

मुकेश के पिता रविंद्र सचिवालय से रिटायर्ड है। मां भी सरकारी टीचर के पद से रिटायर्ड हुई थी। काफी सालों से मां-बेटे यहां रह रहे थे और रविंद्र बच्चों को सांगानेर में रहते थे। करीब 1 साल से पहले ही पत्नी की तबीयत खराब रहने पर रविंद्र यहां आकर रहने लगे थे। 4 जून को मां की मौत के बाद से मुकेश ज्यादा डिप्रेशन में चला गया। मुकेश के बड़े भाई पवन की भी पत्नी से अनबन थी। इसलिए पत्नी छोड़कर पीहर गई हुई थी।

कार चुराने वाले दो बदमाश दबोचे

जयपुर। विद्याधर नगर थाना पुलिस ने कार चुराने वाले दो वाहन चोरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से कार बरामद कर ली। आरोपी रैकी कर विद्याधर नगर क्षेत्र में पार्किंग में खड़ी कार को चोरी करके ले गए थे। पुलिस टीम ने 100 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगालकर आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपी मौज मस्ती और शौक को पूरा करने के लिए वारदात को अंजाम देते थे। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी रामप्रसाद मीणा जयलालपुरा बोली सवाईमाधोपुर और मनीष सोलंकी डीडवाना नागौर हाल वाटिका रोड सांगानेर का रहने वाला है। पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने के लिए घटनास्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगालने के बाद आरोपियों को चिन्हित कर उन्हें पकड़ा। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वह वाहन चुराने से पहले रैकी करते थे। रैकी करने के बाद वारदात को अंजाम देते थे। कार बाइक चुराने के बाद वह उससे सस्ते दामों में बेच देते थे। आरोपी मौज मस्ती और शौक को पूरा करने के लिए वारदात को अंजाम देते थे। पुलिस अब यह पता लगा रही है कि वाहन चुराने के बाद वह किन लोगों को बेचा करते थे। पुलिस अन्य वारदातों के खुलासे के लिए पूछताछ कर रही है।

2543 पदों की अंतरिम वरीयता सूची जारी

- कई बाधाओं के बावजूद फार्मासिस्ट भर्ती को अंजाम दिया विभाग ने

जयपुर । चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने मिशन मोड में प्रयास कर बहुप्रतीक्षित फार्मासिस्ट भर्ती में 2543 अभ्यर्थियों की अंतरिम वरीयता सूची शुक्रवार को जारी कर दी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंजूरी के बाद चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशन में विभाग लंबे समय से अटकी हुई भर्तियों को जल्द से जल्द पूरा करने का प्रयास कर रहा है। इससे युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध हो रहे हैं।

अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने बताया कि प्रदेश में करीब 10 साल पहले फार्मासिस्ट भर्ती हुई थी। इसके बाद वर्ष 2023 में विज्ञापित फार्मासिस्ट भर्ती को विभिन्न कानूनी पेचीदगियों, एफआईआर, चुनावी आचार संहिता, अंकतालिकाओं का सत्यापन, संसाधनों की सीमितता के चलते पूरी करना बेहद चुनौतीपूर्ण था, लेकिन चिकित्सा विभाग ने इस काम को मिशन मोड में पूरा करने का प्रयास किया।

सिंह ने बताया कि इस भर्ती में सबसे बड़ी बाधा अंकतालिकाओं की वैधता की जांच करवाना था। इसके लिए विभाग ने 25 टीमों का गठन किया। इन टीमों ने दूसरे राज्यों में जाकर करीब 4 हजार अभ्यर्थियों की अंकतालिकाओं का सत्यापन किया।

इसके साथ ही न्यायालय में इस भर्ती को लेकर विचाराधीन प्रकरणों में विभाग ने पुरजोर पैरवी कर भर्ती की राह खोली। चुनावी आचार संहिता के दौरान शिथिलन प्राप्त कर इस कार्य को गति दी गई। इसी का परिणाम रहा कि रिकॉर्ड समय में फार्मासिस्ट भर्ती की अंतिम वरीयता सूची आज जारी हो सकी है। निदेशक अराजपत्रित राकेश शर्मा ने बताया कि 3067 पदों पर फार्मासिस्ट भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया गया था। अंकतालिकाओं के सत्यापन के बाद 2819 अभ्यर्थियों की वरीयता सूची तैयार की गई है। इनमें से 2543 अभ्यर्थियों की अंतरिम वरीयता सूची जारी कर दी गई है। उन्होंने बताया कि 276 अभ्यर्थियों का परिणाम प्रतीक्षा में रखा गया है। 248 पदों का बैकलॉग रहा है। जिन अभ्यर्थियों परिणाम प्रतीक्षा में रखा गया है, उनके दस्तावेजों की विभागीय स्तर पर जांच उपरांत समयबद्ध रूप से नियमानुसार वरीयता सूची जारी की जाएगी। उल्लेखनीय है कि राज्य स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान के माध्यम से अराजपत्रित संवर्ग के विभिन्न 20 हजार 630 पदों पर भर्ती प्रक्रिया को गति दी गई है। इनमें से नेत्र सहायक, डेंटल टेक्नीशियन, ईसीजी टेक्नीशियन, लैब टेक्नीशियन एवं सहायक रेडियोग्राफर के 3105 अभ्यर्थियों के नियुक्ति आदेश जारी किए जा चुके हैं। साथ ही, फार्मासिस्ट के 2543 पदों के लिए अंतरिम वरीयता सूची आज जारी की जा चुकी है।